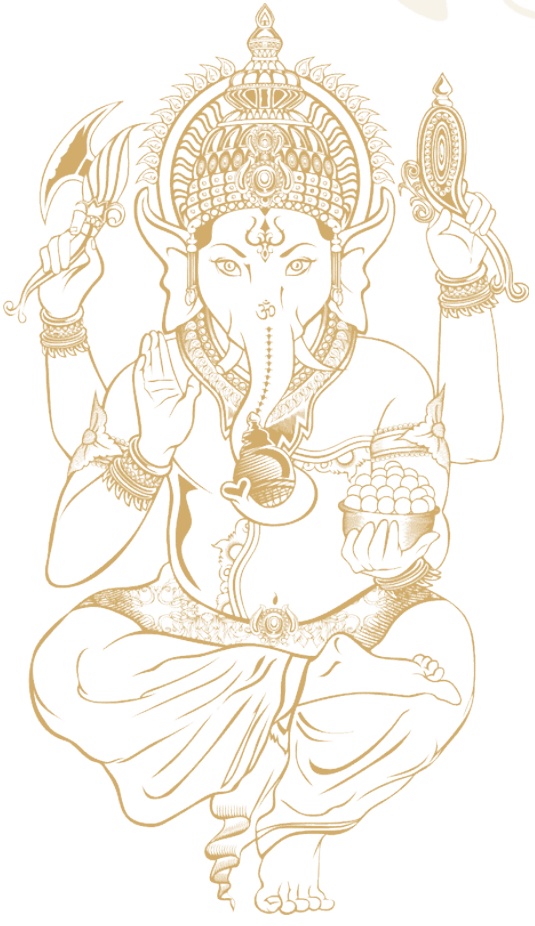

Mukesh Nandan Suman

17 Oct 1974

10:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121655505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1974**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:10:00 घंटे**
इष्ट	39:27:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:32 घंटे
साम्पातिक काल	23:32:03 घंटे
सूर्योदय	06:22:58 घंटे
सूर्यास्त	17:49:56 घंटे
दिनमान	11:26:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:25:14 तुला
लग्न के अंश	12:34:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	12:34:34	322:36:48	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	00:25:14	00:59:34	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			तुला	28:24:45	13:25:46	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	29:23:26	00:40:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	16:07:28	00:31:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	14:57:16	00:03:22	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	25:20:49	01:15:06	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि			मिथु	25:13:07	00:01:33	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	17:35:48	00:02:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	17:35:48	00:02:39	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष			तुला	04:21:53	00:03:46	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	14:15:26	00:01:45	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो			कन्या	13:51:08	00:02:15	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	28:53:06	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:33

लग्न-चलित

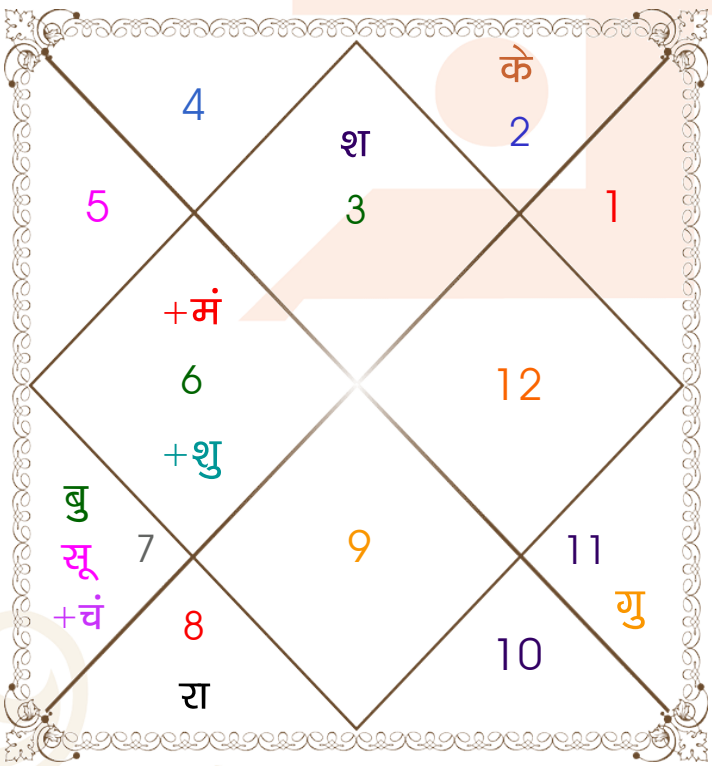

चन्द्र कुंडली

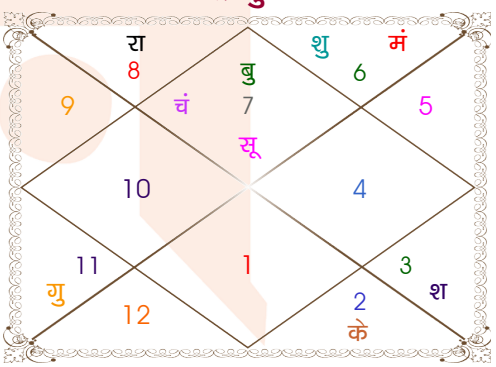

नवमांश कुंडली

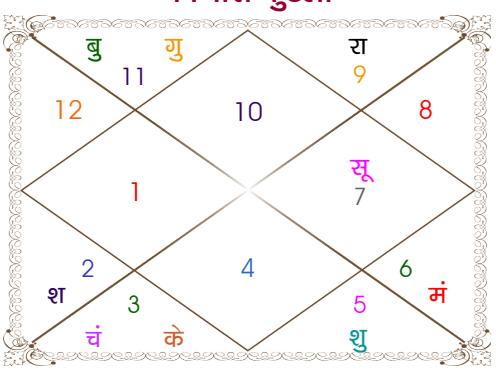

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 10 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/10/1974		12/09/1980		13/09/1999		12/09/2016		13/09/2023	
12/09/1980		13/09/1999		12/09/2016		13/09/2023		13/09/2043	
	00/00/0000	शनि	16/09/1983	बुध	09/02/2002	केतु	08/02/2017	शुक्र	12/01/2027
	00/00/0000	बुध	26/05/1986	केतु	06/02/2003	शुक्र	10/04/2018	सूर्य	13/01/2028
	00/00/0000	केतु	05/07/1987	शुक्र	07/12/2005	सूर्य	16/08/2018	चंद्र	12/09/2029
	17/10/1974	शुक्र	04/09/1990	सूर्य	13/10/2006	चंद्र	17/03/2019	मंगल	13/11/2030
शुक्र	27/03/1975	सूर्य	17/08/1991	चंद्र	14/03/2008	मंगल	14/08/2019	राहु	12/11/2033
सूर्य	13/01/1976	चंद्र	17/03/1993	मंगल	11/03/2009	राहु	31/08/2020	गुरु	13/07/2036
चंद्र	14/05/1977	मंगल	26/04/1994	राहु	28/09/2011	गुरु	07/08/2021	शनि	13/09/2039
मंगल	20/04/1978	राहु	02/03/1997	गुरु	03/01/2014	शनि	16/09/2022	बुध	14/07/2042
राहु	12/09/1980	गुरु	13/09/1999	शनि	12/09/2016	बुध	13/09/2023	केतु	13/09/2043

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/09/2043		12/09/2049		13/09/2059		13/09/2066		12/09/2084	
12/09/2049		13/09/2059		13/09/2066		12/09/2084		00/00/0000	
सूर्य	01/01/2044	चंद्र	14/07/2050	मंगल	09/02/2060	राहु	26/05/2069	गुरु	31/10/2086
चंद्र	01/07/2044	मंगल	12/02/2051	राहु	27/02/2061	गुरु	20/10/2071	शनि	14/05/2089
मंगल	06/11/2044	राहु	13/08/2052	गुरु	03/02/2062	शनि	25/08/2074	बुध	20/08/2091
राहु	01/10/2045	गुरु	13/12/2053	शनि	14/03/2063	बुध	14/03/2077	केतु	26/07/2092
गुरु	20/07/2046	शनि	14/07/2055	बुध	11/03/2064	केतु	01/04/2078	शुक्र	17/10/2094
शनि	02/07/2047	बुध	13/12/2056	केतु	07/08/2064	शुक्र	01/04/2081		00/00/0000
बुध	07/05/2048	केतु	14/07/2057	शुक्र	07/10/2065	सूर्य	24/02/2082		00/00/0000
केतु	12/09/2048	शुक्र	14/03/2059	सूर्य	12/02/2066	चंद्र	26/08/2083		00/00/0000
शुक्र	12/09/2049	सूर्य	13/09/2059	चंद्र	13/09/2066	मंगल	12/09/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नही लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते है। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृति के प्रति सतर्क नही रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते है।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रूचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध है तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी है। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नही करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म

सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नही रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्जवलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नही होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ्य रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।